भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 4638
दिनांक 28.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

नई वाणिज्य दूतावास सेवा की स्थापना की योजना

4638. श्री कोडिकुन्नील सुरेशः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की विभिन्न देशों में नए वाणिज्य दूतावास की सेवाएं स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रस्तावित या हाल ही में स्थापित नए भारतीय वाणिज्य दूतावासों और दूतावासों की संख्या कितनी है और वे कहां-कहां स्थित हैं और इनके प्रारंभ होने की संभावित तारीख क्या है;

(ग) क्या सरकार ने रूस, तिमोर-लेस्ते, पराग्वे अथवा किसी अन्य देश में नई वाणिज्य दूतावास की सेवाएं स्थापित करने के लिए कदम उठाए हैं/उठाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो ऐसी पहलों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या किसी राज्य सरकार, संसद सदस्य या भारतीय प्रवासी संगठन ने विशिष्ट क्षेत्रों में नए वाणिज्य दूतावास कार्यालयों को खोलने का अनुरोध किया है और यदि हां, तो ऐसे अनुरोध का ब्यौरा क्या है तथा उन पर क्या कार्रवाई की गई है; और

(ङ) सरकार द्वारा वैश्विक स्तर पर वाणिज्य दूतावास की सेवाओं के माध्यम से भारतीय नागरिकों के लिए दक्षता, डिजिटल पहुँच और आपातकालीन सहायता में सुधार लाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/प्रस्तावित हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) प्रस्तावित या हाल ही में स्थापित नए भारतीय कोंसलावासों और राजदूतावासों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

2024 में रीगा (लातविया), त्बिलिसी (जॉर्जिया), तिराना (अल्बानिया), लिब्रेविले (गैबॉन), डिली (तिमोर लेस्ते) और ला पाज़ (बोलीविया) में नए राजदूतावास खोले गए हैं। ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया), मार्सिले (फ्रांस), बार्सिलोना (स्पेन) और ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) में नए कोंसलावास खोले गए हैं।

2025 में मैनचेस्टर और बेलफास्ट (यूनाइटेड किंगडम) में नए कोंसलावास खोले गए हैं।

(ड.) सरकार ने विदेश स्थित भारतीय मिशनों/केंद्रों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर विदेशों में भारतीय नागरिकों के लिए कोंसली सेवाओं में वृद्धि हेतु कई कदम उठाए हैं। शिकायतों का जवाब विभिन्न चैनलों जैसे कॉल, वॉक-इन, ई-मेल, सोशल मीडिया, 24x7 हेल्पलाइन और ओपन हाउस के माध्यम से दिया जाता है। विदेशों में भारतीय श्रमिकों को सहायता प्रदान करने के लिए दुबई, शारजाह, रियाद, जेद्दा और कुआलालंपुर में प्रवासी भारतीय सहायता केंद्र (पीबीएसके) स्थापित किए गए हैं। कुछ मिशनों/केंद्रों में संकटग्रस्त भारतीय नागरिकों के लिए आश्रय गृह भी स्थापित किए गए हैं। मिशन के अधिकारी भारतीय श्रमिकों की शिकायतों का समाधान करने के लिए आप्रवासन कार्यालयों और श्रम शिविरों का दौरा करते हैं। यदि आवश्यक हो तो संकटग्रस्त भारतीयों को भारतीय समुदाय कल्याण कोष (आईसीडब्ल्यूएफ) के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। आपातकालीन या संकट की स्थिति के दौरान, विदेशों में स्थित हमारे मिशन/केंद्र भोजन, आश्रय, दवा प्रदान करने और भारत लौटने में उनकी मदद में सक्रिय रूप से सहायता करते हैं।

*****